NBT
नवभारत टाइम्स

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 3 दिसंबर 2021 www.delhi.nbt.in

निर्माण कार्य और मालवाहक ट्रकों की एंट्री पहले से ही बंद

दिल्ली के स्कूल-कॉलेजों पर प्रदूषण ने फिर जड़वाया ताला

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदूषण स्तर बढ़ने पर केजरीवाल सरकार ने स्कूल-कॉलेज, कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी समेत सभी एजुकेशनल व ट्रेनिंग संस्थानों को बंद करने का फैसला किया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार प्रदूषण स्तर की लगातार निगरानी कर रही है और उसको देखते हुए जरूरी कदम उठा रही है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा कि प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली के सभी स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे, हालांकि बोर्ड से संबंधित परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही चलेंगी। यानी बोर्ड परीक्षाएं तय शेड्यूल के मुताबिक ही होंगी। वहीं दिल्ली में अभी निर्माण गतिविधियों, डिमोलिशन और मालवाहक ट्रकों की एंट्री पर भी बैन है। आवश्यक सेवाओं से जुड़े ट्रकों को ही दिल्ली आने की इजाजत है।

सरकार के आदेश के मुताबिक, सभी स्कूल, कॉलेज, शैक्षिक / कोचिंग संस्थान, प्रशिक्षण संस्थान, लाइब्रेरी बंद कर दिया जाएगा। जहां पर बोर्ड से जुड़ी परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, वहां पर तय कार्यक्रम के मुताबिक परीक्षाएं होंगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर काफी लंबे समय से स्कूल बंद थे और ऐसी संभावना दिख रह थी कि प्रदूषण स्तर में सुधार होगा। उसको देखते हुए ही स्कूल खोलने का फैसला लिया गया था। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए स्कूल-कॉलेज अगले आदेश तक बंद करने का फैसला लिया गया है। शिक्षाविद भी बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंतित हैं। वीएसपीके एजुकेशन सोसायटी के प्रमुख एस.के. गुप्ता का कहना है कि पिछले करीब दो साल से स्कूली शिक्षा काफी प्रभावित हुई है और अब प्रदूषण के कारण स्कूल बंद करने पड़ रहे हैं। उनका कहना है कि स्कूलों को पढ़ाई के नुकसान की भरपाई के लिए रणनीति में बदलाव करना होगा। एम एम पब्लिक स्कूल पीतमपुरा की प्रिंसिपल रूमा पाठक का कहना है कि सरकार के निर्देशों के मुताबिक ही अभी ऑनलाइन क्लासेज होंगी।

ANI

सभी स्कूल, कॉलेज, शैक्षिक/कोचिंग संस्थान, प्रशिक्षण संस्थान, लाइब्रेरी बंद किए

धूल प्रदूषण को लेकर सरकार का अभियान

धूल प्रदूषण और गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार दो महीने से अभियान चला रही है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली के अंदर निर्माण-डिमोलिशन कार्य बंद हैं। दूसरे राज्यों से आने वाले ट्रक भी बंद हैं। लोगों से अपील है कि निजी वाहनों को छोड़कर ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक वाहनों से सफर करें। पिछले 2 महीने से लोग एंटी डस्ट अभियान चला रहे हैं। सरकारी दफ्तरों के लिए विशेष बस की सुविधा शुरू की हुई है, जिससे लोग निजी गाड़ियां ना निकालें।